3/11/19 E

This question paper contains 4 printed pages.

Your Roll No. .....

Sl. No. of Ques. Paper : **2282**
Unique Paper Code : **62057502**
Name of Paper : **Hindi Bhasha Ka Vyavaharik Vyakaran**
Name of Course : **B.A. (Prog.) : CBCS:DSE–II**
Semester : **I/III/V**
Duration : **3 hours**
Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

1. भाषा की परिभाषा स्पष्ट करते हुए, इसकी विशेषताओं की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

अथवा

व्याकरण किसे कहते हैं? भाषा में व्याकरण के महत्त्व को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 12

2. तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी शब्दों का विभाजन किस आधार पर किया गया है? सभी प्रकारों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

अथवा

शब्दों की व्याकरणिक कोटियों का परिचय देते हुये संज्ञा के विविध भेदों को उदाहरण सहित समझाइए। 12

3. वाक्य की परिभाषा स्पष्ट करते हुए, इसके अंगों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

P. T. O.

अथवा

हिन्दी में विराम चिह्नों का परिचय देते हुए भाषा में इसकी भूमिका की सोदाहरण विवेचना कीजिए। 12

4. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** शब्दों के प्रत्यय और मूल शब्द अलग कीजिए:

दयालु, मोटापा, बलवान, चिड़चिड़ाहट, कृपालु 3

(ख) निम्नलिखित समस्त पदों में से किन्हीं **तीन** का विग्रह करते हुए समास-भेद लिखिए:

दोपहर, सुख-दुःख, सेनापति, भयमुक्त, यथानाम 3

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** शब्दों को शुद्ध रूप में लिखिए:

कवित्री, उद्योगिक, उत्तीरण, मनूश्य, अध्यन 3

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए:

(i) उत्सव में अनेकों लोग उपस्थित थे।

(ii) मेरे को तुम्हारी बात समझ नहीं आती।

(iii) आप कल मेरे घर आओ।

(iv) हम लोग सकुशलतापूर्वक हैं।

(v) सभी को उचित न्याय मिलेगा। 3

(ङ) निम्नलिखित मुहावरे-लोकोक्तियों में से किन्हीं **तीन** का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए:

(i) पाँचों उँगलियाँ घी में होना।

(ii) छठी का दूध याद आना।

(iii) कसौटी पर कसना।

(iv) चिकना घड़ा होना।

(v) खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे। 3

5. अपठित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

किसी भी अनौचित्यपूर्ण काम को करने से सदाचारी हृदय के भाव शांत नहीं रह सकते। उस कवि के समाप्त होने के अनन्तर उस हृदय में आन्दोलन होता है, दुःख होता है, अशांति उत्पन्न होती है, अनुताप तथा पश्चाताप होता है। मनोवैज्ञानिकों की दृष्टि में अनुताप कुछ भी हो, किन्तु हमारे लिए अनुताप वह वस्तु है, जो मानव हृदय को उत्तरोत्तर उन्नत करती चली जाती है। स्वीकृति और अनुताप— ये दो वस्तुएँ ऐसी हैं जो हृदय को बल देती हैं। यदि हमसे कोई भूल हो जाए और उस भूल को हम स्वीकार कर लें, यदि हमसे कोई अपराध हो जाए और हम उसे मान लें, यदि हमें यह एहसास न हो कि अपने दोष स्वीकार कर लेने से हम लोगों की दृष्टि में गिर जाएँगे, तो उस दिन हमें अपनी विजय का दिवस समझना चाहिए। दोषों को स्वीकार करके हम अपने आत्मबल का ही परिचय देते हैं।

(i) उपर्युक्त अनुच्छेद का सारगर्भित शीर्षक लिखिए। 2

(ii) इस अनुच्छेद में आए किन्हीं **तीन** तत्सम शब्दों को छाँटिए। 3

(iii) उक्त अनुच्छेद का सारांश लिखिए। 4

(iv) 'स्वीकृति और अनुताप— ये दो वस्तुएँ ऐसी हैं जो हृदय को बल देती हैं।'— आशय स्पष्ट कीजिए। 3

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए:

(i) शब्द और पद में अंतर

(ii) विसर्ग सन्धि

(iii) हिन्दी उपसर्ग

(iv) हिन्दी के कारक। 12

munotes.in